B.A. [Hons.] Hindi
Programme Outcomes

Programme Name	**Programme Outcome (कार्यक्रम का परिणाम)**
B.A. [Hons.] Hindi	• कार्यक्रम के सफल समापन पर, छात्र मौखिक और लिखित संचार दोनों में कुशल होंगे • कथा, गैर-कथा, कविता, आत्मकथा, जीवनी, पत्रिका, फिल्म, नाटक, संपादकीय आदि सहित विविध पाठ शैलियों के सम्मेलनों से परिचित होंगे। • यह पाठ्यक्रम छात्रों को समाज की बेहतर समझ रखने में मदद करता है। वे सभी प्रकार के कारणों और प्रभावों के साथ मानव व्यवहार को समझने में सक्षम होते हैं, जिससे उन्हें अच्छा इंसान बनने में मदद मिलती है • हिंदी स्नातकों के लिए करियर के अन्य रास्ते खुले हैं जिनमें मास्टर डिग्री, पत्रकारिता, मीडिया, बी.एड., नर्सरी शिक्षक प्रशिक्षण और प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठना शामिल है। • छात्र भारत में कहीं भी काम कर सकते हैं, क्योंकि वे हिंदी - हमारी राष्ट्रीय भाषा जानते हैं। • कई अन्य देशों में भी हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में प्रयोग किया जाता है। जिससे वे आसानी से उन देशों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।
Programme Specific Outcomes (Part -1)	• हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल तथा भक्तिकाल) के समय, नामकरण और प्रमुख कवियों से परिचित होंगे और लेखन को भी समझ सकेंगे।
Course Outcomes (Paper-1)	• इसे पढने के बाद विद्यार्थी आदिकाल तथा भक्तिकाल के कालविभाजन और नामकरण,सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य, रासो साहित्य आदि के साथ ही भक्तिकाल के वर्गीकरण में निर्गुण भक्ति काव्य के प्रमुख संत कबीरदास, सूफी संत के जायसी, सगुण भक्ति काव्य के प्रमुख कवि-सूरदास और रामभक्तिकाव्य के तुलसीदास के अलावा अन्य कवियों का भी परिचय और उनके काव्य योगदान को जान सकेंगे।
Course Outcomes (Paper-2)	• गद्य साहित्य में उपन्यास -चित्रलेखा (भगवतीशरण वर्मा),नाटक –अजातशत्रु (जयशंकर प्रसाद) का अध्ययन करेंगे। • कहानी- उसने कहा था, कफन, आकाशदीप, जयदोल, रसप्रिय, अमृतसर आ गया के लेखकों और उनकी कहानियों से परिचित होंगे।

Programme Specific Outcomes (Part -2)	• हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल से द्विवेदी युग) के समय, नामकरण, कवियों और उनके साहित्य जान सकेंगे। नाटक, निबंध और समीक्षा को पढ़ेंगे जिससे उन्हें साहित्य के क्षेत्र में समृद्ध किया जा सकेगा।
Course Outcomes (Paper-3)	• रीतिकाल का नामकरण, रीतिबद्ध कवि, रीतिसिद्ध कवि, रीतिमुक्त कवि। • भारतेन्दु युग (पुनर्जागरण काल), द्विवेदी युग (जागरण-सुधार काल), ब्रजभाषा आदि महत्त्वपूर्ण विषयों की जानकारी हासिल कर पायेंगे।
Course Outcomes (Paper-4)	• उपन्यास- चित्रलेखा, नाटक- चंद्रगुप्त, लेखक- जयशंकर प्रसाद • निबंध – मैं धोबी हूँ- शिवपूजन सहाय, शिरीष के के फूल –हजारी प्रसाद द्विवेदी, शेविंगःएक कला –भुनेशवर नाथ मिश्र 'माधव', रत्न-नलिन विलोचन शर्मा, जेब- प्रभैकर माचवे, दाढ़ी- देवेन्द्र नाथ शर्मा, भोर का आह्वान- विद्या निवास मिश्र, कैक्टस- धर्मवीर भारती, मान जा मेरे मन- रामेश्वर सिंह कश्यप, मेरी शादी- नंदु जी दूबे। ये सभी श्रेष्ठ ललित निबंध हैं। इन विधाओं से परिचित होंगे।
Programme Specific Outcomes (Part -3)	• हिंदी साहित्य का इतिहास (छायावाद से अद्यतन साहित्य तक)- इसमें भारतीय साहित्यशास्त्र –काव्यशास्त्र,साहित्यालोचन के सिद्धान्त • काव्य एवं गद्य साहित्य के प्रमुख रूपों एवं विधाओं का परिचय प्राप्त करेंगे। • भाषा विज्ञान एवं संस्कृत का परिचय तथा विशेष अध्ययन के तहत भक्ति काव्य, रीतिकाव्य और छायावाद का अध्ययन करेंगे। जिससे हिंदी साहित्य के इन क्षेत्रों पर विशेषाधिकार प्राप्त कर पायेंगे।
Course Outcomes (Paper-5)	• छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता आदि का अध्ययन करेंगे। गद्य साहित्य में नाटक, उपन्यास, कहानी, निबंध, समालोचना, आत्मकथा, यात्रावृतान्त, संस्मरण तथा रेखाचित्र, रिपोर्ताज आदि विधाओं से परिचित होंगे। • काव्य में अज्ञेय, नागार्जुन, केदारनाथ अग्रवाल,धर्मवीर भारती,मुक्तिबोध,सर्वेश्वर दयाल सक्सेना, श्रीकान्त वर्मा, इन महत्त्वपूर्ण कवियों का परियच और उनके साहित्य से परिचित होंगे।
Course outcomes (Paper-6)	• भारतीय साहित्यशास्त्र –काव्यशास्त्र के विभिन्न रूपों से परिचय • छंद के स्वरूप एवं उसके महत्त्व से परिचय प्राप्त करेंगे । • अलंकारों के लक्षण व उदाहरण के साथ उसका अध्ययन कर सकेंगे। साहित्यालोचन के सिद्धान्तः- • काव्य एवं गद्य साहित्य के प्रमुख रूपों एवं विधाओं का परिचयात्मक अध्ययन प्राप्त करेंगे।
Course Outcomes (Paper-7)	• भाषा विज्ञान एवं संस्कृत, भाषा विज्ञानः का विस्तारपूर्वक अध्ययन करेंगे। • संस्कृत साहित्य के अंतर्गत पंचतंत्रम, गीता, मनुस्मृति, नीतिशकतम् के कुछ अंशों को पढ़ेंगे। • संस्कृत के शब्द,धातु रूप से भी परिचित होंगे।

Course Outcomes (Paper-8)	• इसके अंतर्गत निम्नलिखित खंडों में से किसी एक का विशेष अध्ययन करेंगे। • खण्ड-कः सगुण भक्ति काल- इसमें सूरदास और तुलसीदास, का विशेष अध्ययन करेंगे। • खण्ड –खःरीति काव्य इसके अंतर्गत बिहारी,घनानंद,देव, मतिराम,पद्माकर, सेनापति,ठाकुर, जगन्नाथ दास रत्नाकर का परिचय और उनके साहित्य का अध्ययन करेंगे। • खण्ड- गः छायावाद, धायावाद के स्तंभ कवियों का परिचय और उनके साहित्य से अवगत होंगे।